सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK
• वर्ष: 12 • अंक 133 पृष्ठ: 8 • लखनऊ, शुक्रवार 19 जून, 2026
मूल्य ₹ 3/-

हम सब यहां किसी खास वजह से हैं। अपने अतीत के कैदी बनना छोड़िए, अपने भविष्य के निर्माता बनिए।
-रॉबिन शर्मा

अफगान का क्लीन स्वीप करने के इरादे से... 7 | पंजाब में सरकार व अकाल तख्त... 3 | यूपी पुलिस भाजपा सरकार के लिए... 2

कोटा का कुरुक्षेत्र

राहुल गांधी की गूंज

रेल के डिब्बे से कोचिंग के जंगल तक आखिर कोटा ही क्यों चुना राहुल ने?

» जेन जी की बेचैनी नीट का जख्म और शिक्षा व्यवस्था पर अबतक का सबसे बड़ा राजनीतिक व तीखा प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने राजस्थान के कोटा से जेन जी की नब्ज पकड़ते हुए एक बड़े बदलाव को लाने की मुहिम छेड़ दी है। कोटा में रेल का सफर पूर कर छात्रों से सवांद करने पहुंचे राहुल ने कहा है कि देश का एजूकेशन सिस्टम छात्रों के साथ न्याय नहीं कर रहा है। उन्होंने नीट एग्जाम पेपर लीक मामले में छात्रों के सुसाइड नोट पढ़ते हुए महौल को गंभीर बना दिया।

राहुल गांधी ने राजस्थान के कोटा में जब स्टेज पर एंट्री ली तो माहौल किसी इंटरनेशनल पॉप सिंगर के कंसर्ट जैसा लग रहा था। लाइट्स, कैमरा, मोबाइल के फ्लैशेस और लाखों स्टूडेंट के जमावड़े की गूंज। कोटा में नीट और यूपीएससी की तैयारी कर रहे जेन जी राहुल को सुनने के लिए बेताब थे। राहुल गांधी के कन्सर्ट बता रहा था कि वह देश के एजुकेशन सिस्टम में बदलाव चाहते है।

कोटा से गूंज क्या बदल पाएगी एजूकेशन सिस्टम

देश की राजनीति में ऐसे बहुत कम मौके आते हैं जब कोई नेता चुनावी मंच छोड़कर सीधे उस पीढ़ी के बीच पहुंचता है जो वोटर कम और भविष्य ज्यादा है। राजस्थान के कोटा में राहुल गांधी की मौजूदगी सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं थी बल्कि उस व्यवस्था पर सीधा हमला था जिसने लाखों युवाओं को सफलता और असफलता के बीच एक ऐसे गलियारे में खड़ा कर दिया है जहां उम्मीद और अवसाद साथ-साथ चल रहे हैं। राहुल गांधी कोटा पहुंचे तो सीन किसी राजनीतिक सभा जैसा नहीं लग रहा था। वहां मौजूद छात्रों का जोश मोबाइल फ्लैश की चमक और लगातार गूंजते नारे ने साफ संकेत दे रहे थे कि यह भीड़ किसी नेता को देखने नहीं बल्कि अपने सवालों का जवाब सुनने पहुंची है। राहुल गांधी ने भी माहौल की नब्ज पकड़ ली। उन्होंने भाषण को राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रखा बल्कि सीधे शिक्षा व्यवस्था परीक्षा प्रणाली और छात्रों की मानसिक स्थिति पर बात की। नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाते हुए राहुल गांधी ने उन छात्रों के सुसाइड नोट का जिक्र किया जिनकी जिंदगी परीक्षा प्रणाली की खामियों के बीच पिस गई। यह भावनात्मक क्षण था लेकिन उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण था वह राजनीतिक संदेश जो इसके पीछे छिपा था। राहुल यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि देश की सबसे बड़ी आबादी युवा वर्ग आज अवसरों की कमी परीक्षा घोटालों और असुरक्षित भविष्य से जूझ रहा है।

कोटा को चुनना कोई संयोग नहीं

कोटा को चुनना भी कोई संयोग नहीं था। भारत में यदि शिक्षा व्यवस्था का कोई प्रतीकात्मक शहर है तो वह कोटा है। यहां हर साल लाखों छात्र डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना लेकर आते हैं। लेकिन यही शहर सफलता के साथ-साथ तनाव अवसाद और आत्महत्या की खबरों के लिए भी चर्चा में रहता है। यह भारत की प्रतियोगी परीक्षा संस्कृति का सबसे बड़ा प्रयोगशाला बन चुका है। राहुल गांधी ने इस मंच से एक ऐसा सवाल उठाया जो वर्षों से छात्रों के मन में घूम रहा है कि क्या शिक्षा व्यवस्था छात्रों को अवसर दे रही है या उन्हें एक अंतहीन दौड़ का हिस्सा बना रही है? यह सवाल केवल नीट या जेईई तक सीमित नहीं है। यह पूरे उस ढांचे पर प्रश्नचिन्ह है जिसमें लाखों छात्र कुछ हजार सीटों के लिए अपना बचपन मानसिक शांति और कई बार जीवन तक दांव पर लगा देते हैं। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या राहुल गांधी इस असंतोष को राजनीतिक आंदोलन में बदल पाएंगे? क्या शिक्षा सुधार उनके एजेंडे का स्थायी हिस्सा बनेगा या यह भी बाकी राजनीतिक नारों की तरह कुछ दिनों में खो जाएगा? कोटा से उठी यह आवाज फिलहाल देशभर के छात्रों तक पहुंच चुकी है। अब देखना यह है कि यह आवाज बदलाव की दस्तक बनती है या सिर्फ एक और राजनीतिक प्रतिध्वनि साबित होती है।

क्या शिक्षा सुधार राजनीतिक मुद्दा बन सकता है?

भारतीय राजनीति में जाति धर्म क्षेत्र और कल्याणकारी योजनाएं लंबे समय से चुनावी विमर्श का केंद्र रही हैं। लेकिन पहली बार ऐसा दिखाई दे रहा है कि शिक्षा और परीक्षा प्रणाली भी राष्ट्रीय राजनीतिक बहस का हिस्सा बन रही है। पेपर लीक भर्ती घोटाले और बढ़ती बेरोजगारी ने युवाओं को सीधे प्रभावित किया है। यही कारण है कि राजनीतिक दल अब इस वर्ग को नजरअंदाज नहीं कर सकते। कोटा में राहुल गांधी की सभा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं थी। यह उस पीढ़ी की बेचैनी का मंच था जो मेहनत तो कर रही है लेकिन व्यवस्था पर भरोसा खोती जा रही है। नीट पेपर लीक बढ़ती प्रतिस्पर्धा मानसिक तनाव और रोजगार की अनिश्चितता आज करोड़ों युवाओं की साझा चिंता है। राहुल गांधी ने इन सवालों को राष्ट्रीय मंच पर रखने की कोशिश कर रहे हैं। उनको इन कोशिशों से राजनीतिक लाभ मिलेगा या नहीं यह आने वाले वक्त पर छोड़ देते हैं लेकिन लेकिन उनकी इन कोशिशों को देखकर कह सकते हैं कि इतना तय है कि कोटा से उठी यह बहस अब सिर्फ कोटा तक सीमित नहीं रहेगी यह बहस भारत के भविष्य उसकी शिक्षा व्यवस्था और उस जेन जी की है जो अब केवल सुनना नहीं जवाब मांगना चाहती है।

जेन-जी को राहुल में क्या दिखायी दे रहा है?

आज की जेन जी परंपरागत राजनीति से प्रभावित नहीं होती। यह पीढ़ी रोजगार शिक्षा स्किल अवसर और पारदर्शिता की भाषा समझती है। राहुल गांधी पिछले कुछ वर्षों से लगातार युवाओं और छात्रों के मुद्दों पर मुखर रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा से लेकर विभिन्न विश्वविद्यालयों में संवाद तक उन्होंने युवाओं से सीधे संपर्क बनाने की कोशिश की है। कोटा कार्यक्रम उसी रणनीति का विस्तार दिखाई देता है। युवाओं का एक वर्ग राहुल गांधी को ऐसे नेता के रूप में देख रहा है जो कम से कम उनके मुद्दों पर बात कर रहा है। हालांकि यह समर्थन अभी भावनात्मक और मुद्दा आधारित है इसे स्थायी राजनीतिक समर्थन में बदलना अलग चुनौती होगी। कोटा की सफलता की कहानियां देशभर में सुनाई जाती हैं। लेकिन इस सफलता के पीछे एक दूसरा पक्ष भी है। महंगे हॉस्टल लगातार टेस्ट रैंकिंग का दबाव परिवार की उम्मीदें और असफलता का भय कई छात्रों को मानसिक तनाव की ओर धकेलता है।

शिक्षा व्यवस्था पर राहुल के बड़े सवाल

राहुल गांधी का कोटा में दिया भाषण मुख्यत तीन बिंदुओं पर केंद्रित रहा। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि नीट पेपर लीक विवाद ने लाखों छात्रों के मन में यह सवाल पैदा किया कि क्या मेहनत का कोई मूल्य बचा है। जब परीक्षा की गोपनीयता ही संदेह के घेरे में हो तो छात्र का भरोसा टूटना स्वाभाविक है। राहुल गांधी ने इसी मुद्दे को केंद्र में रखकर कहा कि व्यवस्था छात्रों के साथ न्याय नहीं कर रही। उन्होने कहा कि सिस्टम में अवसरो की कमी है। भारत हर साल करोड़ों युवाओं को शिक्षा देता है लेकिन गुणवत्तापूर्ण नौकरियों की संख्या उस अनुपात में नहीं बढ़ रही। राहुल गांधी के मुताबिक मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी युवा वर्ग के भीतर बढ़ती बेचैनी का भी एक बड़ा कारण है। उन्होंने आत्महत्या की घटनाओं का उदहारण देते हुए कहा कि यह सिर्फ व्यक्तिगत असफलता की कहानी नहीं हैं बल्कि पूरे सामाजिक और शैक्षिक दबाव की तस्वीर हैं।

यूपी पुलिस भाजपा सरकार के लिए अवैध वसूली करे या सड़क सफाई : अखिलेश यादव

ईस्टर्न पेरिफेरल हाईवे पर पुलिस के डर से पत्थर फेंके जाने के वायरल वीडियो पर सपा प्रमुख ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में ईस्टर्न पेरिफेरल हाईवे से पत्थर हटाते हुए पुलिस कर्मियों का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसको सपा मुखिया अखिलेश यादव ने तंज कसा है। अखिलेश यादव ने पुलिसकर्मियों द्वारा सड़क से पत्थर हटाने का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इसे शेयर किया और चुटकी लेते हुए लिखा- यूपी पुलिस बेचारी क्या-क्या करे, भाजपा सरकार के लिए अवैध वसूली करे या अवैध माल लदे ट्रक का पीछा करे या सड़क साफ करे।

बता दें कि ग्रेटर नोएडा के ईस्टर्न पेरिफेरल पर पत्थरों से भरा एक डंपर गाजियाबाद की तरफ जा रहा था। इसी दौरान चक्रसैनपुर गांव के पास आरटीओ ने उसे रोकने की कोशिश की लेकिन ड्राइवर ने ट्रक रोकने की जगह उसे तेजी से दौड़ा दिया. आरटीओ की टीम ने जब उसका पीछा करने की कोशिश की तो ड्राइवर ने डंपर का जैक उठा दिया। सड़क पर जगह-जगह अचानक पत्थरों गिरने की वजह से कई वाहन जस के तस रुक गए. इस दौरान कई गाड़ियों के टायर भी पंचर हो गए, जिसकी वजह से हाईवे पर जाम लग गया और लोग भीषण गर्मी घंटों परेशान हो गए. इस घटना की सूचना मिलने पर दादरी कोतवाली पुलिस और ट्रैफिक पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे जिसके बाद जेसीबी व फावड़ों की मदद से सड़क से भारी पत्थर हटवाए गए. तब कहीं जाकर यातायात सुचारू हो।

जिनसे एडवांस वसूला वो अब अफवाही मंत्री को ढूंढ रहे

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए ओपी राजभर पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में टिकट, ट्रांसफर और ठेका दिलाने के नाम पर कथित वसूली और 'काली कमाई' को लेकर गंभीर तंज कसे हैं। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए तंज कसा। लिखा कि टिकट के दावेदारों के बाद अब अधिकारी और ठेकेदार मिलकर 'ढुंढाई पंचायत' कर रहे हैं। जिन लोगों से टिकट दिलाने के नाम पर एडवांस राशि लेने की बातें सामने आ रही हैं, वे अब उन लोगों की नजर में हैं।

सीट मिल भी जाए तो जीतेंगे नहीं

उन्होंने आगे लिखा कि पहले तो 'अफ़वाह मंत्री' को केवल वे ही भावी प्रत्याशी ढूंढ रहे थे, जिनसे टिकट के नाम पर एडवांस वसूले हैं, लेकिन अब यह चर्चा है कि '30 सीट' मिलने की बात महज अफवाह साबित हो रही है। तंज कसा कि न तो उन्हें एक भी सीट मिलती दिख रही है और यदि कहीं कोई सीट मिल भी जाए तो जीतेंगे नहीं। सपा मुखिया ने अपने पोस्ट में आगे दावा किया कि अब स्थिति ऐसी है कि एई, जेई और एएमए स्तर के अधिकारी तथा विभागीय ठेकेदार भी मिलकर उनको तलाश रहे हैं। आरोप है कि इनसे ट्रांसफर, पोस्टिंग और कॉन्ट्रैक्ट दिलाने के नाम पर एडवांस लिया गया था। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि जिस काली कमाई के सहारे बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे, वही अब उनके खिलाफ 'पंचायत' बैठा रही है। उनके इस बयान के बाद यूपी की सियासत में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

डिप्टी सीएम का बयान हास्यास्पद : सनातन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के सांसद सनातन पांडे नेउत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के उन दावों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि सपा के कई सांसद भारतीय जनता पार्टी के संपर्क में हैं। उन्होंने भाजपा को क्रूर लोगों की पार्टी बताया। मीडिया से बात करते हुए, पांडे ने पार्टी के अंदर मतभेद या पार्टी छोड़ने की योजना वाली खबरों को खारिज कर दिया और कहा कि हाल की बैठकों में सिर्फ़ आने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

मौर्य के दावों को कमतर आंकते हुए उन्होंने कहा कि मैंने इस बारे में (अखिलेश यादव से) कोई बातचीत नहीं की है। हम सिर्फ 5 अगस्त के कार्यक्रम की रणनीति और कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए मिले थे। उन्होंने मौजूदा सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए भाजपा पर आरोप लगाया कि वह किसानों, युवाओं और गरीबों की समस्याओं के प्रति उदासीन है और गलत तरीकों से सत्ता में बने रहने को प्राथमिकता देती है। पांडे ने कहा कि भाजपा सरकार क्रूर लोगों की पार्टी है। बीजेपी के कथित अवसरवाद पर अपनी बात को समझाने के लिए, पांडे ने पश्चिम बंगाल में नेशनलिस्ट सिटिज़न्स पार्टी ऑफ़ इंडिया से जुड़े राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र किया।

बीएसपी मूवमेंट को कुछ लोग बदनाम करना चाहते हैं : मायावती

मुलाकात के 5 लाख और टिकट के 3.35 करोड़ के दावों पर बसपा चीफ भड़कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों ने अपनी-अपनी तैयारियों शुरू कर दी हैं। इसी बीच बहुजन समाज पार्टी के यूपी अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह कथित तौर पर बसपा चीफ मायावती से मुलाकात के 5 लाख रुपये और बसपा से टिकट के बदले 3.35 करोड़ रुपये की बात करते हुए दिख रहे हैं, अब इस मामले को लेकर खुद मायावती को सफाई देनी पड़ी है।

बसपा चीफ मायावती ने एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसमें लिखा-जैसा कि सर्वविदित है कि बीएसपी देश में बहुजन समाज व अपरकास्ट समाज के गरीब शोषित-पीड़ित व उपेक्षितों द्वारा, उनके संवैधानिक हक व न्याय आदि के लिये परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बताये रास्तों पर चलने वाली सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की सच्ची व ईमानदार अम्बेडकरवादी पार्टी है, जो दूसरी पार्टियों की तरह बड़े-बड़े पूंजीपतियों व धन्नासेठों के सहारे और उनके इशारे पर नहीं चलती है बल्कि अपने लोगों के ही तन, मन और धन के बलबूते पर चलती है,

जो स्वाभाविक तौर पर संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक व पूंजीवादी ताकतों को यह फूटी कौड़ी नहीं सुहाता है और इसी लिये वे समय-समय पर और खासकर चुनाव के नजदीक आने पर किस्म-किस्म के हथकंडे इस्तेमाल करके बीएसपी पार्टी व मूवमेन्ट को तथा उसके आयरनलेडी नेतृत्व को भी बदनाम करने में लगे रहते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लिखा-इसी क्रम में मीडिया के एक वर्ग द्वारा दूसरी पार्टियों की चुनावी जुगाड़ आदि पर से लोगों का ध्यान बाँटने तथा उन पर पर्दा डालने के लिये बीएसपी पार्टी उम्मीदवार के चयन को लेकर सवालिया निशान खड़े करते रहते हैं, जबकि बीएसपी को जो भी आर्थिक सहयोग हासिल होता है वह पार्टी उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने पर ही कानूनी तौर से ज्यादातर खर्च कर दिया जाता है, जो किसी से भी छिपा हुआ नहीं है. फिर भी उसको लेकर षडयंत्र के तहत गुमराह करने वाली तरह-तरह की गलत बातें व अफवाहें आदि फैलाना मीडिया को शोभा नहीं देता है। बसपा सुप्रीमो ने आगे लिखा- यहाँ यह भी सर्वविदित है कि केवल बीएसपी यूपी स्टेट यूनिट के अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ही नहीं बल्कि पार्टी के अन्य सभी छोटे-बड़े पदाधिकारी व कार्यकर्तागण भी इस समय पार्टी संगठन की मजबूती तथा पार्टी के जनाधार को सर्वसमाज में बढ़ाने के साथ-साथ आगामी यूपी विधानसभा आमचुनाव हेतु पार्टी उम्मीदवारों की संभावित सूची बनाने तथा उनकी ठोस स्क्रीनिंग करने आदि में लगे हुए हैं और पार्टी की उम्मीदवारी को लेकर उनसे मिलने वालों से अन्य बातों के अलावा उनकी सामाजिक, राजनीतिक व आर्थिक हैसियत के साथ ही उनके पार्टी के प्रति वफादारी व टिकाऊपन आदि को भांपने के लिये, कोर्ट में जिरह की तरह, उनसे तरह-तरह के सवाल-जवाब भी करते रहते हैं. जिसकी गहराई में गए बिना ही उसे उसके पूरे फेस वैल्यू पर अन्यथा लेना उचित नहीं है, यह मीडिया से भी अनुरोध है।

राम मंदिर चंदा चोरी और जमीन घोटाले का हिसाब दे योगी सरकार : अजय राय

» यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- आरोपियों को जेल भेजा जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जमीन खरीद में भ्रष्टाचार से लेकर चंदा चोरी तक के मामले का प्रदेश सरकार खुलासा करे। जनता हर पहलु के बारे में जाना चाहती है। उन्होंने मांग की कि आरोपियों के खिलाफ तत्काल रिपोर्ट दर्ज कराई जाए और उनकी गिरफ्तारी हो। जांच के नाम पर मामले को लटकाने की कोशिश न की जाए।

अयोध्या में श्री हनुमान गढ़ी और फिर श्री राम जन्म भूमि मंदिर में रामलला के दर्शन-पूजन के बाद लखनऊ पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद एक पीठ के संचालक हैं। खुद को धर्म का रक्षक बताते हैं। ऐसे में चंदा चोरी के आरोपियों को जेल भेजवाएं। एक-एक रुपये का हिसाब दें।

प्रशासनिक जवाबदेही भी तय होनी चाहिए

भरतीय जनता पार्टी की सरकार पूरे मामले पर जवाब देने के बजाय तथ्यों और सवालों को दबाने का काम कार्य कर रही है। श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के शीर्ष स्तर पर ऐसे लोगों की नियुक्ति की गई जिनका सीधा संबंध केन्द्र सरकार और पीएमओ से रहा है इसलिए इस मामले की नैतिक और प्रशासनिक जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चंदा चोरी से देश और दुनिया के हिन्दू समाज की भावनाओं को छलने का काम किया गया।

यह हिसाब राम जन्मभूमि आंदलन, शिलापूजन और देश के करोड़ों श्रद्धालुओं से इकट्ठा हुए धन का देना होगा। कब-कब कितना चंदा आया और कहां खर्च हुआ, इसका विवरण सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने कहा कि राम मंदिर और उससे जुड़े आर्थिक लेने-देन, भूमि की खरीद-फरोख्त तथा चढ़ावे में हुए गोलमाल के बोरे में जानता जानती है। इसका हिसाब देना सरकार की भी जिम्मेदारी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे अधिकारियों के नेतृत्व में एसआईटी जांच कराई जा रही है जिनकी निष्पक्षता पर पहले से ही प्रश्नचिन्ह लगता रहा है। इससे जांच की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

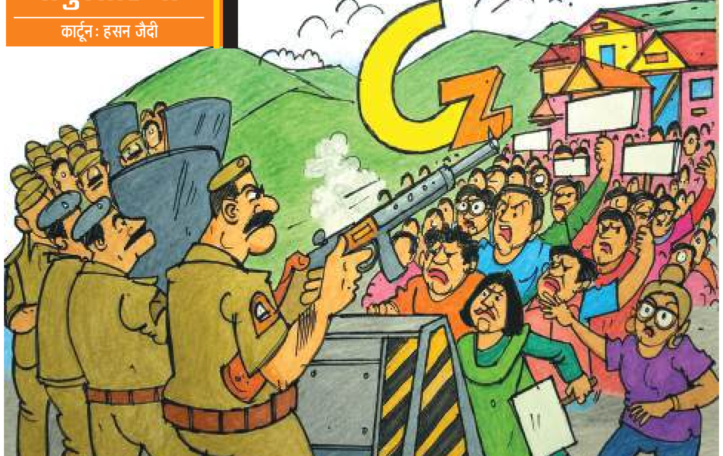

कांग्रेस के लोग भी टूटने को तैयार : निषाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीजेपी के अहम सहयोगी और निषाद पार्टी के नेता, यूपी के मंत्री संजय निषाद ने दावा किया है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कई विपक्षी नेता पाला बदलने के लिए सत्ताधारी गठबंधन के संपर्क में हैं। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और विपक्षी नेताओं के पाला बदलने की खबरों पर बात करते हुए निषाद ने कहा कि जो लोग सरकार नहीं बना पाए, उन पर अब अपने वादे पूरे करने के लिए जनता का भारी दबाव है।

निषाद ने बताया कि लोग सरकार बनाने आए थे, लेकिन बना नहीं पाए। अब अगर वे सत्ता से बाहर रहते हैं, तो जनता उनसे सवाल करती है कि आपने हमसे वादे किए थे।

इसलिए, ज़्यादातर सांसद और विधायक हमारे संपर्क में हैं और कह रहे हैं कि उन्हें किसी तरह दिल्ली ले जाया जाए और केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत कराई जाए। जब उनसे विपक्ष के कितने सांसद पाला बदलने की सोच रहे हैं, इस बारे में कोई ठोस संख्या बताने को कहा गया, तो निषाद ने एक अंदाज़ा देते हुए कहा कि मुझे लगता है कि आज की तारीख में ऐसे कम से कम दो दर्जन लोग हैं। इन नेताओं की पृष्ठभूमि के बारे में बताते हुए निषाद पार्टी के प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में कई लोग अभी भी हिंदुत्व की विचारधारा को मानते हैं। उन्होंने कहा कि खास विचारधारा वाले लोगों को छोड़कर, जो भी हिंदुत्व की विचारधारा को मानते हैं, वे बीजेपी में शामिल होकर अपने समुदाय के लिए कुछ करना चाहते हैं। इसीलिए वे हमसे मिलते रहते हैं। बीजेपी के संपर्क में रहने वाले सांसदों के बेबुनियाद तौर पर पार्टी छोड़ने की खबरों पर समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल यादव के बयान का जवाब देते हुए निषाद ने कहा कि हो सकता है कि पार्टी एकजुट रहना चाहती हो, लेकिन व्यक्तिगत सदस्य सरकार के साथ रहना चाहते हैं।

पंजाब में सरकार व अकाल तख्त में तकरार

विस चुनाव से पहले बढ़ी सियासी व धार्मिक रार

सीएम मान के खिलाफ आए जत्थेदार

» विवादित वीडियो को सीएम मान ने नकारा

» श्री अकाल तख्त के हुकमनामे पर कहा- मेरे खिलाफ झूठा प्रचार किया जा रहा है

» सीएमए बोले- पंथ के इतने बड़े ओहदे पर बैठे लोग सियासी मोहरे की तरह काम कर रहे

» अन्य पार्टियों की भी पैनी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में अगले साल विस चुनाव हैं। सभी सियासी दलों की उस पर नजर है। वर्तमान में वहां पर आप की सरकार है और उसके मुखिया सीएम भगवंत मान हैं। उनके काम करने के तरीके पर कभी-कभी विपक्ष सवाल उठाता रहता है। इसके अलावा धार्मिक ममाले में कभी-कभी वह गुरुद्वारा कमेटियों के निशाने पर आ जाते हैं। जबकि उनका कहना है की जनता में उनकी लोकप्रियता से घबराकर विपक्षी उन्हें धार्मिक आधार पर बदनाम करना चाहते हैं। हालांकि रणनीतिकारों का कहना है कि सरकार की वैसी तो छवि जनता के बीच ठीक-ठाक है तभी नगर-निकाय चुनाव में उसकी बंपर जीत हुई थी जबकि कांग्रेस, भाजपा व शिअद को उससे कई सीटे कम पर ही संतोष करना पड़ा था। इन सबके बीच इन पार्टियों में आंतरिक कलह भी जोरों पर है।

आप में अभी तो फिलहाल ठीक ही लग रहा है बस राघव चड्ढा प्रकरण में जरूर झटका लगा पर वह अब उससे उबर आई है। उधर आप की स्थिति का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है आय दिन उससे जुड़े लोगों पर जांच एजेंसियों के छापे डलवाये जाते हैं जिसे पार्टी ने हमेशा विस चुनाव से जोड़ कर देखने को कहा। वहीं पंजाब के सीएम भगवंत मान के विवादित वीडियो को श्री अकाल तख्त साहिब ने सही बताया था। श्री अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने कहा था कि वीडियो दो लैब में सही पाया गया है। अब इसी मुद्दे पर सीएम मान का पक्ष सामने आया है। सीएम भगवंत मान ने अपने कथित विवादित वायरल वीडियो को पूरी तरह नकार दिया है। सोमवार को श्री अकाल तख्त से मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के खिलाफ हुकमनामा जारी हुआ था। ऐसा पहली बार हुआ है कि अकाल तख्त ने किसी तत्कालीन सीएम के खिलाफ हुकमनामा सुनाया हो। चंडीगढ़ में पत्रकारवार्ता में सीएम ने कहा कि वीडियो में जो शख्स दिखाई दे रहा है वह मैं नहीं हूं। मैं हैरान हूं कि पंथ के इतने बड़े ओहदे पर बैठे लोग सियासी मोहरे की तरह काम कर रहे हैं। वीडियो में जो शख्स है, न तो उसकी कद काठी मुझसे मिलती है। यह मुझे केवल बदनाम करने की साजिश है। अपने सियासी आकाओं के इशारों पर मेरे खिलाफ यह हुकमनामा दिया गया है। यह मेरे खिलाफ एक प्रोपेगेंडा है।

मुझे बदनाम करने के लिए धर्म का कर रहे इस्तेमाल : मान

सीएम ने कहा कि मैं पंजाब में गुरु की बाणी, पानी, किसानी और जवानी के लिए जो सरकारी फैसला ले रहा हूं वह मेरे विरोधियों को बर्दाश्त नहीं हो रहे हैं। इसलिए मुझे बदनाम करने के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं और इसके लिए धर्म का इस्तेमाल किया जा रहा है। मान ने कहा कि मैं श्री अकाल तख्त को सर्वोच्च संस्था मानता हूं और उसके आगे नतमस्तक होता हूं। श्री अकाल तख्त से मत्था लगाने के बारे में न तो मैं सोच सकता हूं और न ही मेरी आने वाली कई पीढ़ियां ऐसा सोच सकती हैं लेकिन श्री अकाल तख्त पर जो सियासी नियुक्तियां हुई हैं और ये लोग जिस तरह के फैसले ले रहे हैं, वह सारी संगत अच्छी तरह जानती है।

अकाल तख्त से जारी हुआ था हुकमनामा

इससे पहले सोमवार को श्री अकाल तख्त साहिब से पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के खिलाफ कई अहम फैसलों की घोषणा की गई। जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज ने कहा कि बेअदबी कानून में संशोधन संबंधी निर्देशों की अनदेखी और अन्य मामलों को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ हुकमनामा जारी किया गया है। साथ ही 29 जून को पंजाब मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों और संबंधित सिख विधायकों को श्री अकाल तख्त साहिब में पेश होने के लिए तलब किया गया है। इस संबंध में सभी हिंदू विधायकों से लिखित स्पष्टीकरण भी मांगा है।

मुख्यमंत्री को पंथ का विरोधी घोषित किया

बैठक में मुख्यमंत्री भगवंत मान से जुड़े विवादित वीडियो मामले का भी जिक्र किया गया। जत्थेदार ने कहा कि निजी फोरेंसिक जांच रिपोर्ट के आधार पर वीडियो को वास्तविक माना गया है। इसके आधार पर मुख्यमंत्री को गुरुद्रोही और खालसा पंथ का विरोधी घोषित किया गया तथा गुरु खालसा को उनसे सामाजिक दूरी बनाए रखने का आदेश दिया गया। जत्थेदार ने बताया कि इस पूरे मामले पर सिख बुद्धिजीवियों और कानूनी विशेषज्ञों से भी विचार-विमर्श किया गया था।

आप ने कहा- विमर्श करेंगे

वहीं, आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता बलतेज पन्नू ने कहा कि सरकार अकाल तख्त के हुकमनामे का सम्मान करती है और इस संदर्भ में विमर्श करेगी। उनके अनुसार, सरकार का हमेशा से रुख सिख भावनाओं के प्रति संवेदनशील रहा है और कानून में जहां भी आपत्ति है, उस पर निर्णय लेने से पहले सभी पक्षों को सुना जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार को पहले भी स्पष्ट रूप से आगाह किया गया था कि सिख भावनाओं से जुड़े इस विषय पर जल्द फैसला लिया जाए। बावजूद इसके कोई संशोधन नहीं किया गया। इसी वजह से पंथक स्तर पर सख्त रुख अपनाने का फैसला लिया गया है।

केजरीवाल ने भी शेयर किया था स्पष्टीकरण वीडियो

वहीं आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सीएम मान के स्पष्टीकरण वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि भगवंत मान के अच्छे कामों से बौखला कर विरोधी उनको झूठ बोलकर बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं।

पंजाब सरकार से श्री गुरु ग्रंथ साहिब बेअदबी कानून में मौजूद आपत्तिजनक प्रावधानों को हटाने की मांग

श्री अकाल तख्त साहिब पर हुई बैठक के बाद जत्थेदार ने कहा कि सिख पंथ की ओर से पंजाब सरकार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब बेअदबी कानून में मौजूद आपत्तिजनक प्रावधानों को हटाने के लिए कहा गया था। इस संबंध में सरकार को पत्र लिखकर 15 दिन के भीतर संशोधन करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि एक माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इसे श्री अकाल तख्त साहिब के आदेशों की अवहेलना बताया गया। जत्थेदार ने कहा कि सिख पंथ किसी भी स्थिति में बिना संशोधित कानून को लागू नहीं होने देगा। उनका कहना था कि बिल में ऐसे प्रावधान हैं जिन पर सिख समुदाय ने आपत्ति जताई है और इन्हें हटाए बिना कानून स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब की मर्यादा और सर्वोच्चता से समझौता नहीं किया जा सकता। इसी कारण इस बिल को समर्थन देने वाले सभी सिख विधायकों और पंजाब सरकार की पूरी कैबिनेट को 29 जून को तलब किया गया है ताकि वे अपना पक्ष रख सकें।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

आखिर कब मिलेगी जन स्वास्थ्य की सस्ती दवाएं

"भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है।

देश की सरकारें स्वास्थ्य की क्षेत्र में सबकुछ अच्छा होने की बात करती हैं। पर ये बातें सिर्फ कागजों पर है। केंद्र सरकार जन ओषधि केंद्रो का बहुत बखान करती है। सरकारी दावा है कि वहां सस्ती दवाएं मिलती है। पर अस्पतालों के पास ये कंद्र या तो बंद रहते हैं या वहां पर दवाई की मात्रा की कमी रहती है। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति किसी से छिपी नहीं है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने इलाज का खर्च अपनी जेब से वहन करते हैं। बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं रह जाती, वह आर्थिक संकट में भी बदल जाती है। एक समय था जब कहा जाता था कि व्यक्ति अपनी बेटी की शादी के कारण कर्ज में डूबता है, लेकिन आज की स्थिति यह है कि किसी गंभीर बीमारी का इलाज पूरा परिवार आर्थिक रूप से बर्बाद कर सकता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी रोग या अन्य जटिल बीमारियों का उपचार लाखों रुपये की मांग करता है। ऐसे में यदि जीवनरक्षक दवाइयों की कीमतें भी लगातार बढ़ती रहें तो गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा लगभग असंभव हो जाएगी।

एन.पी.पी.ए. ने दवाओं की कीमत बढ़ाने के पीछे उत्पादन लागत में वृद्धि और बाजार में संभावित कमी का तर्क दिया है। उनका कहना है कि यदि दवा कंपनियां लागत भी नहीं निकाल पाएंगी तो वे उत्पादन बंद कर सकती हैं, जिससे मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं होंगी। यह तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। किसी भी उद्योग को जीवित रहने के लिए उचित लाभ आवश्यक है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जीवनरक्षक दवाओं को सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की तरह देखा जा सकता है? क्या स्वास्थ्य क्षेत्र में लाभ कमाने की सीमा और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच संतुलन स्थापित नहीं किया जाना चाहिए? स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। दुर्भाग्य से भारत में इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ता गया है। निजी अस्पतालों की बढ़ती फीस, महंगे परीक्षण, अनावश्यक जांचें, चिकित्सा उपकरणों का भारी खर्च और अब दवाइयों की बढ़ती कीमतें मिलकर आम नागरिक को असहाय बना रही हैं। वर्ष 47 तक विकसित भारत के निर्माण की परिकल्पना बार-बार दोहराई जा रही है। बड़े-बड़े बुनियादी ढांचे, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां और आर्थिक विकास के दावों के बीच एक प्रश्न बार-बार सामने खड़ा हो जाता है-क्या ऐसा भारत वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक सामान्य नागरिक बीमारी के कारण कर्ज में डूबने को विवश हो जाए?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अपने हक के लिए जीवटता का संघर्ष

प्रदीप मैगजीन

बैर निकालने पर उतारू दुनिया से मिले घावों को भरने को कृतसंकल्प चित्त असंभव को भी संभव कर सकता है। इकतीस साल की विनेश फोगाट एक ऐसी ही मिसाल हैं। उनकी जिंदगी की कहानी किसी गल्प कहानीकार तक को यह सोचने पर मजबूर कर दे कि सफलता-असफलता, उम्मीद-निराशा के बीच झूलते हुए भी हथियार न डालने का क्या मतलब होता है। उनकी कहानी एक ऐसी महिला की है जो हालात, उम्मीदों, बदकिस्मती और उन संस्थाओं से लगातार जूझ रही है, जिनका काम उन्हें आगे बढ़ाना था। सालों के कड़े प्रशिक्षण, अपने भार-वर्ग में बने रहने के लिए वजन पर लगातार अंकुश रखने की वजह से तराशा हुआ उनका चेहरा उन्हें एक ऐसे खिलाड़ी का रूप प्रस्तुत करता है, जिसके अंदर अभी भी जीत की भूख है और जो अपने लक्ष्यों को पाने के लिए जी-जान से दृढ़संकल्प है।

यह चेहरा केंद्रित ध्यान, पक्के इरादे और चुनौतियों का सामना करने वाले का है। यह उनके मानस की झलक दिखाता है, और उनके शब्द : 'मैं इस कुश्ती के गद्दे पर वापस आऊंगी'- जो उन्होंने पिछले महीने अपनी वापसी वाला कुश्ती मुकाबला हारने के कुछ ही सेकंड बाद कहे थे, एक ऐसी आत्मा की अभिव्यक्ति, जो जख्मी तो है लेकिन झुकी नहीं है। सोचिए, वापसी की अथक तैयारी करना, नवजात बच्चे को आंचल में भरकर रखने के जिंदगी के बेशकीमती पलों का मोह तजना, और फिर प्रतियोगिता की पूर्व-संध्या पर यह पता चलना कि आपको प्रतियोगिता में भाग लेने के अयोग्य करार दिया गया है। पेरिस ओलंपिक के उस दुखद दिन के लगभग दो साल बाद, जब मात्र कुछ ग्राम ज्यादा वजन ने उन्हें स्वर्ण पदक जीतने के मौके से वंचित कर दिया था और प्रतियोगिता में उनके शानदार अभियान का दुखद अंत हुआ था, आखिरकार वह फिर से तैयार थीं। जगह थी गोंडा, जोकि भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह का राजनीतिक और कुश्ती का गढ़ है- वही व्यक्ति जिन पर विनेश और कई साथी पहलवानों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

वहां मिला यह झटका अधिकांश एथलीटों के संकल्प को तोड़ने के लिए काफी था। लेकिन विनेश के लिए नहीं। तीन कॉमनवेल्थ खेल स्वर्ण पदक, एक एशियन खेल स्वर्ण पदक, एक एशियन चैंपियनशिप स्वर्ण पदक और दो विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक जीतने वाली इस पहलवान का रिकॉर्ड, उन्हें अब तक

की सबसे महान भारतीय महिला पहलवानों में से एक बनाता है। पेरिस की घटना के बाद, विनेश ने कुश्ती से संन्यास की घोषणा की और उस खेल को अश्रुपूर्ण विदाई दी जो उनकी जिंदगी में एक बड़ा हिस्सेदार रहा। पेरिस का उनका सफर बहुत अच्छी तरह दर्ज है। यह साहस, त्याग और अटूट इच्छाशक्ति से भरा एक अभियान था, जो उन्हें ओलंपिक में कामयाबी के बहुत करीब ले गया। शरीर से न घट सके उस अतिरिक्त 100 ग्राम वजन ने उन्हें भावनात्मक रूप से तोड़ दिया था। 'इंडियन एक्सप्रेस' में निहाल कोशी को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा 'उसके बाद तो मौत ही है, आगे कुआं... पीछे खाई'। इंसाफ की उनकी पुकार और आवाज उठाने की हिम्मत ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। वह एक राजनीतिक पार्टी में शामिल हुईं, विधानसभा चुनाव जीता, मां बनीं, फिर भी रेसलिंग मैट रूपी गोद और जड़ के बिना खुद को अनाथ महसूस किया। ताजिंदगी विनेश ने मुश्किलों का सामना किया, उन्हें ललकारा और ऐसी ताकत के साथ उन पर जीत हासिल की जो दुनिया में कम ही देखने को मिलती है। एक रूढ़िवादी, पुरुष-प्रधान समाज की बंदिशों, कम उम्र में पिता को खो देना, मां के कैंसर से संघर्ष से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ऊंचाइयां पाने तक के उनके सफर को देखिए। इसमें ताकतवर व्यवस्था के खिलाफ उनकी उस निडर आवाज को भी जोड़ दें, जो उनके खेल के भविष्य को तय कर सकती थी, तब उनके फौलादी इरादों की तारीफ किए बिना नहीं रहा जा सकता, जोकि उनका चारित्रिक गुण है। खेल में कामयाबी पाने के लिए शरीर को तकलीफें सहने के काबिल बनाया जा सकता है, लेकिन बैर निकालने को तुले माहौल के दबाव के बीच मन को अडिग और मजबूत बनाए रखना कहीं ज्यादा मुश्किल काम है, क्योंकि ऐसा माहौल इंसान के इरादों को तोड़ देता है।

उनके मन व जज्बे में ऐसा क्या है जो उन्हें रिवायती सोच और ढर्रा तोड़कर बाहर निकलने की हिम्मत देता है? वह बच्ची थीं, जब उनके पिता की हत्या कर दी गई थी और उनकी मां को कैंसर से जूझना पड़ा। पेरिस ओलंपिक से पहले, अपने विरोध-प्रदर्शन के दौरान उन्होंने खुद कहा था 'अगर एक अकेली महिला (उनकी मां), जो पढ़ी-लिखी नहीं थीं, अकेले समाज से लड़ सकती है और हमें बड़ा पहलवान बना सकती हैं, तो हम भी ऐसा कर सकते हैं।

अदालती फैसले के सामाजिक संकेतों को समझें

दिनेश भारद्वाज

कोर्ट ने समाज को सोच बदलने को इशारा किया है। घर की जीवन रेखा स्त्री का मूल्य उस दिन तय नहीं होना चाहिए जब उसकी कमी खले। वास्तव में उसका मूल्य को तभी से प्रतिष्ठा मिले, जब वह बिना पदनाम, वेतन और औपचारिक पहचान के घर को जीवंत करती हो।

कुछ फैसले अदालतों के रिकॉर्ड में दर्ज होकर खत्म नहीं होते। वे समाज की सोच में प्रवेश करते हैं और उन मान्यताओं को चुनौती देते हैं जिन्हें लंबे समय से सामान्य मान लिया गया हो। सुप्रीम कोर्ट का हालिया फैसला, जिसमें सड़क दुर्घटना में एक गृहिणी की मृत्यु के मामले में घरेलू श्रम के आर्थिक मूल्य को स्वीकार किया गया, ऐसा ही फैसला है। पहली नजर में यह मामला महज मुआवजे के निर्धारण का लग सकता है, लेकिन इसकी असली गूंज उससे कहीं आगे जाती है। यह उस सामाजिक सोच पर सवाल उठाता है, जिसने घर के भीतर होने वाले महिलाओं के श्रम को प्रतिष्ठा नहीं दी। अदालत ने माना कि गृहिणी सही मायने में 'होममेकर' है। उसका श्रम उत्पादक है, उसका योगदान वास्तविक है और उसकी अनुपस्थिति का असर केवल भावनात्मक नहीं, आर्थिक और संरचनात्मक भी होता है। सवाल यह नहीं है कि अदालत ने घरेलू श्रम का आर्थिक मूल्य किस आधार पर तय किया।

प्रश्न यह है कि जिस श्रम पर करोड़ों परिवार टिके हुए हैं, उसे श्रम मानने में हमें इतना समय क्यों लगा। भारत में परिवार को एक संस्था के रूप में देखा गया है। उसकी स्थिरता, उसकी सामाजिक भूमिका और सांस्कृतिक महत्व पर लगातार बात होती रही है। लेकिन इस स्थिरता को बनाए रखने वाले श्रम पर उतनी गंभीर चर्चा नहीं हुई। घर चलाना केवल खाना बनाने तक सीमित नहीं होता। यह समय प्रबंधन, संसाधनों का संतुलन, बच्चों की परवरिश, बुजुर्गों की देखभाल, सामाजिक संबंधों का निर्वाह और परिवार की भावनात्मक संरचना को संभालने की निरंतर प्रक्रिया है। घर के भीतर होने वाला यह श्रम इसलिए अदृश्य हो जाता है क्योंकि वह बाजार के बाहर होता है। जिस काम के लिए बाहर किसी को नियुक्त किया जाए तो उसका भुगतान तय होता है, वही काम जब घर के भीतर किया जाता है तो उसे जिम्मेदारी, प्रेम या संस्कार का विस्तार मान लिया जाता है। यहां समाज को अपने भीतर झांकने की जरूरत है। हमारे यहां लंबे समय तक एक सामान्य वाक्य चलता रहा, 'वह काम नहीं करती, घर संभालती है।' कथन के भीतर एक गहरी सामाजिक संरचना छिपी है। सम्मान और मूल्य एक चीज नहीं हैं। सम्मान भावनात्मक हो सकता है, लेकिन मूल्य सामाजिक स्वीकृति का आधार बनता है।

जिस योगदान को मूल्य नहीं मिलता, धीरे-धीरे उसकी भूमिका को स्वाभाविक मान लिया जाता है। फिर उसके पीछे का श्रम, समय और कौशल दिखाई देना बंद हो जाता है। विडंबना यह है कि परिवार की पूरी व्यवस्था को संभालने वाला व्यक्ति अक्सर आर्थिक परिभाषाओं में 'निर्भर' माना जाता रहा। यह विरोधाभास सोच का भी है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला इसी सोच को चुनौती देता है। निस्संदेह, अदालत के फैसले ने नुकसान की परिभाषा को नया अर्थ दिया। अब तक जब किसी नौकरीपेशा व्यक्ति की मृत्यु होती थी तो उसकी आय को परिवार की आर्थिक क्षति का आधार माना जाता था।

लेकिन गृहिणी की मृत्यु के मामलों में यह तर्क दिया जाता रहा है कि उसकी प्रत्यक्ष आय नहीं थी, इसलिए आर्थिक नुकसान सीमित माना जाता है। वास्तव में किसी होममेकर की अनुपस्थिति केवल एक सदस्य की अनुपस्थिति नहीं होती। उसके साथ घर की पूरी व्यवस्था प्रभावित होती है। बच्चों की दिनचर्या बदलती है, देखभाल की प्रणाली बदलती है, घरेलू खर्च का स्वरूप बदलता है और परिवार की कार्यक्षमता पर असर पड़ता है। यह फैसला बताता है कि हर वह काम जो वेतन में नहीं बदलता, वह मूल्यहीन नहीं होता। हालांकि, इस फैसले को महिलाओं के लिए वेतन की बहस तक सीमित करना भी उचित नहीं होगा। आज जब अर्थव्यवस्था, उत्पादकता और कार्यबल भागीदारी जैसे विषय चर्चा में हैं, तब यह स्वीकार करना जरूरी है कि सामाजिक पुनरुत्पादन, यानी परिवार का निर्माण और संचालन भी किसी अर्थव्यवस्था की बुनियादी शर्त है। घर मनुष्य निर्माण की पहली संस्था होता है। यदि उस संस्था को चलाने वाले श्रम को लगातार अदृश्य रखा जाएगा तो बराबरी और सम्मान पर आधारित समाज की कल्पना अधूरी रहेगी।

यह फैसला समाज को संबोधित करता है कि क्या हम अपने घरों में श्रम की बराबरी को समझते हैं? इन प्रश्नों के उत्तर अदालत नहीं दे सकती। समाज को खुद तय करना होगा कि वह इस फैसले को केवल मुआवजे के मामले का निर्णय मानता है या अपने समय के एक महत्वपूर्ण सामाजिक संकेत की तरह पढ़ता है। क्योंकि किसी होममेकर का मूल्य उस दिन तय नहीं होना चाहिए जब उसकी अनुपस्थिति दर्ज की जाए। उसका मूल्य उस दिन पहचाना जाना चाहिए जब वह हर दिन बिना किसी पदनाम, वेतन और औपचारिक पहचान के घर को चलाने के लिए उपस्थित होती है। किसी समाज की परिपक्वता इस बात से नहीं मापी जाती कि वह श्रम का कितना भुगतान करता है। यह फैसला उन महिलाओं के लिए सामाजिक स्वीकृति है, जिनकी उपस्थिति से घर केवल चलता नहीं बल्कि आकार लेता है। और शायद इसकी सबसे बड़ी शक्ति भी यही है। अदालत ने अपने हिस्से का निर्णय दे दिया है। अब समाज को अपने हिस्से का उत्तर देना है।

स्लीप टूरिज्म का तेजी से बढ़ रहा है ट्रेंड

आज की आधुनिक जीवनशैली में तनाव और अनिद्रा एक वैश्विक समस्या बन चुकी है। आमतौर पर लोग जब घूमने जाते हैं तो थकान मिटाने के लिए जाते हैं, मगर इन दिनों पर्यटन का एक बिल्कुल नया रुप देखने को मिल रहा है जिसे स्लीप टूरिज्म कहा जा रहा है। अब लोग छुट्टियों का मतलब सिर्फ पहाड़ों की चढ़ाई या समुद्र किनारे पार्टी करना नहीं, बल्कि सुकून की गहरी नींद लेने के मकसद से घूमने जा रहे हैं। स्लीप टूरिज्म का बढ़ता ट्रेंड को देखते हुए दुनिया भर के बड़े होटल और रिसॉर्ट्स अब स्लीप पैकेज भी पेश कर रहे हैं, जहां मेहमानों को सोने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए कमरे दिए जाते हैं। इन कमरों में शोर को सोखने वाली दीवारें, शरीर के तापमान के अनुसार ढलने वाले स्मार्ट गद्दे और हवा को शुद्ध करने वाली चीजें लगाई जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग अब बर्नआउट से बचते हैं, ऐसी जगहों को प्राथमिकता देते हैं जहां उनका फोन बंद रहे और वे अपनी स्लीप डेट को चुका सकें।

स्लीप टूरिज्म में क्या खास मिलता है

ये होटल स्लीप कंसीयज होते हैं जो आपकी नींद के पैटर्न के आधार पर आपको सही तकिए और सुगंध का सुझाव देते हैं। मेहमानों को सोने से पहले विशेष हर्बल चाय, गाइडेड मेडिटेशन और व्हाइट नॉइज मशीनों की सुविधा दी जाती है जो बाहरी शोर को शून्य कर देती हैं। कुछ रिसॉर्ट्स तो स्लीप लैब की सुविधा भी देते हैं जहाँ डॉक्टर आपकी नींद की गुणवत्ता की जांच कर आपको बेहतर स्वास्थ्य के टिप्स देते हैं।

क्यों जरूरी है स्लीप टूरिज्म?

स्लीप टूरिज्म सिर्फ एक लग्जरी ट्रेंड नहीं है, बल्कि हमारे शरीर की जरूरत के प्रति बढ़ती जागरूकता का संकेत भी है। अगर आप भी हर सुबह थकान के साथ उठते हैं, तो शायद आपको घूमने की नहीं, बल्कि अच्छे से सोने की छुट्टी की जरूरत है। बहुत से लोगों के लिए यात्रा का उद्देश्य अब बाहरी दुनिया को देखना नहीं, बल्कि अपने भीतर के उथल-पुथल को समझना हो गया है। एक अच्छी नींद न सिर्फ आपके मूड को सुधारती है, बल्कि आपकी प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी को भी कई गुना बढ़ा देती है।

भारत में कहां हैं स्लीप टूरिज्म

भारत में भी ऋषिकेश, केरल और कुर्ग जैसे शांत इलाकों में स्लीप रिट्रीट्स की मांग तेजी से बढ़ी है, जहां प्रकृति के बीच सोने का अनुभव मिलता है। ये केंद्र आयुर्वेद और योग निद्रा का सहारा लेकर अनिद्रा के रोगियों को बिना दवाओं के प्राकृतिक तरीके से सुलाने का अभ्यास कराते हैं। हिमालय की गोद में स्थित कई होमस्टे अब डिजिटल डिटॉक्स के साथ डीप स्लीप के अनुभव को जोड़कर पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं।

क्यों बढ़ रही है इसकी मांग

वर्क-फ्रॉम-होम और डिजिटल स्क्रीन के अत्यधिक उपयोग ने लोगों की नेचुरल सर्कैडियन रिदम को बिगाड़ दिया है, जिससे गहरी नींद लेना आराम से सोना लग्जरी लाइफस्टाइल माना जा रहा है। ऐसे में ज्यादातर यात्री अब फोटो खींचने वाली भीड़-भाड़ वाली जगहों के बजाय ऐसी शांत जगहों पर पैसा खर्च करना चाहते हैं जहां मानसिक शांति मिलती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ अच्छी नींद को अब एक बड़े स्वास्थ्य निवेश के तौर पर देखते हैं।

हंसना मना है

गर्लफ्रेंड- मेरी याद आती है तो तुम क्या करते हो? बॉयफ्रेंड- तुम्हारी पसंदीदा चॉकलेट खा लेता हूं और तुम क्या करती हो मेरी याद आये तब, गर्लफ्रेंड- मैं भी 'विमल' खा लेती हूं।

प्यार को मत छुपाओ उसे जरुरत है जताने की, अपनी प्रतिभाओं को मत छुपाओ उन्हें जरुरत है बढ़ाने की, अब और परफ्यूम मत लगाओ तुम्हें जरुरत है नहाने की।

तु चांद मांग मैं चांद दे दूं, तु रात मांग में रात दे दूं, तु दिल मांग दिल दे दूं, तु प्यार मांग, क्या यार, भीक मांगने की भी एक Limit होती है।

दिल की बात दिल में मत रखना, जो पसंद हो उसे ILU कहना, अगर वो गुस्से में आ जाये तो डरना मत, राखी निकालना और कहना, प्यारी बहना मिलती रहना।

इतनी हसीन है आप, खुद को दुनिया की नजरों से बचाया करो! आंखों में काजल लगाना काफी नहीं! गले में निंबू-मिर्ची भी लटकाया करो।

बेटा बियर पीकर घर लौटा था। पापा की डांट से बचने के लिए लैपटॉप खोलकर पढ़ने लगा। पापा - बेटा तु फिर से पीकर आया है? बेटा - नहीं मैं नहीं पिया हूं, पापा - तो फिर सूटकेस खोलकर क्या पढ़ रहा है?

कहानी | पाखंडी को परमात्मा नहीं मिलते

श्री कृष्ण के प्रति गोपियों का प्रेम इतना अधिक बढ़ गया था कि वह उनका वियोग एक क्षण भी नहीं सह सकती थी। श्री कृष्ण के वियोग में मूर्छित होने लगी। श्री कृष्ण ने अपने बाल मित्रों से कह दिया था कि किसी गोपी को मूर्छा आए तो मुझे बुलाना। मैं मूर्छा उतारने का मंत्र जानता हूं। किसी गोपी को मूर्छा आती तो शीघ्र ही कृष्ण को बुलाया जाता। श्री कृष्ण जानते थे कि इस गोपी के प्राण अब मुझ में ही अटके हैं। इसे कोई वासना नहीं है। यह जीव अत्यंत शुद्ध हो गया है एवं मुझसे मिलने के लिए आतुर है। अत: श्री कृष्ण उसके सिर पर हाथ फेरते और कान में कहते, शरद पूर्णिमा की रात्रि को तुझसे मिलूंगा। तब तक धीरज रख और मेरा ध्यान कर। यह सुनकर गोपी की मूर्छा दूर हो जाती। वृंदावन में एक वृद्धा महिला, जोकि एक गोपी की सास थी, उसे लगा कि इसमें कुछ गड़बड़ अवश्य है। इन छोकरियों को मूर्छा आती है तो कन्हैया इनके कान में कुछ मंत्र पढ़ता है। मैं भी यह मंत्र जानना चाहती हूं। वृद्धा ने मूर्छित होने का ढोंग करते हुए वह एकदम से गिर गई। उसकी बहू को बहुत दुख हुआ। वह कन्हैया को बुलाने दौड़ी। श्री कृष्ण ने कहा- सफेद बाल वाले पर मेरा मंत्र नहीं चलता है। बाल सफेद होने पर भी दिल सफेद न हो, प्रभु के नाम की माला न जपे, तो ऐसा जीव मरे या जिए, इसमें कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं नहीं जाऊंगा। तू किसी दूसरे को बुला ले। किंतु गोपी ने बहुत आग्रह किया। गोपी का शुद्ध प्रेम था, इसलिए श्री कृष्ण घर आए और वृद्धा को देखकर बोले, इसको मूर्छा नहीं आई है। इसे तो भूत लगा है। किंतु घबराओ मत नवनीत। भूत उतारने का मंत्र भी मुझे आता है। एक लकड़ी ले आओ। वृद्धा घबराई कि अब तो मार पड़ेगी। यह ढोंग तो मुझे ही भारी पड़ जाएगा। कृष्ण ने लकड़ी के दो चार हाथ मारे कि वृद्धा बोल उठी, मुझे मत मारो, मत मारो, मुझे न मूर्छा आई है, न भूत लगा है। मैंने तो ढोंग किया था। पाखंड भूत है। अभिमान भी भूत है। पाखंडी को परमात्मा नहीं मिलते।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आय में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में सुख-शांति रहेगी। जल्दबाजी न करें।

वृषभ
पूजा-पाठ में मन लगेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। थकान रहेगी। कुसंगति से बचें। निवेश शुभ रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन
आय में निश्चितता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है।

कर्क
प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। व्यापार में लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। शत्रु पस्त होंगे। विवाद में न पड़ें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

सिंह
परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। स्थायी संपत्ति से बड़ा लाभ हो सकता है। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे।

कन्या
मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। समय की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

तुला
मेहनत अधिक व लाभ कम होगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। शत्रुओं की पराजय होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

वृश्चिक
जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु
व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। जोखिम बिलकुल न लें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे।

मकर
बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबारी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें। आशंका-कुशंका रहेगी।

कुम्भ
व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय होगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। बजट बिगड़ेगा। कर्ज लेना पड़ सकता है। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

मीन
उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। शेयर मार्केट से बड़ा लाभ हो सकता है। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। संतुष्टि नहीं होगी।

हालीवुड | रिलीज डेट

मुझे कंप्रोमाइज का मतलब ही नहीं समझ आया : मानवी

मानवी गगरू ने हाल ही में मनोरंजन जगत में नए कलाकार के तौर पर अपने कुछ अजीब और असहज अनुभवों के बारे में बात की है। उन्होंने वह अनुभव याद किए, जब उन्हें इशारों-इशारों में अजीब ऑफर दिए गए। साथ ही कास्टिंग से जुड़ी अजीब शब्दावली का भी जिक्र किया, जो शुरुआत में उनकी समझ में नहीं आई थी। उन्होंने बताया कि एक आउटसाइडर होने के नाते सिनेमा में आगे बढ़ना उनके लिए सीखने वाली प्रक्रिया रही। हाल ही में मानवी ने टू गर्ल्स एंड टू कप्स शो में बताया कि करियर की शुरुआत में उनके साथ एक बहुत अजीब घटना हुई थी। उन्हें एक प्रोजेक्ट के लिए एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइज का ऑफर देने वाला मैसेज मिला। उन्होंने कहा, यह मेरे करियर के शुरुआत की बात है, इसलिए मैंने जवाब में पूछा कि कॉम्प्रोमाइज? दरअसल, मुझे इसका मतलब नहीं पता था। मानवी ने माना कि शुरू में उन्हें इस शब्द का मतलब समझ नहीं आया था और उन्होंने वह मैसेज एक ऐसे कास्टिंग डायरेक्टर को भी दिखाया जिन पर उन्हें भरोसा था। मानवी ने कहा, मैंने इसे एक कास्टिंग डायरेक्टर को दिखाया, जो मेरे लिए एक मेंटर की तरह थे। उन्होंने कहा, बस उसे डिलीट करो, ब्लॉक करो। अभिनेत्री को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात से हुई कि मैसेज भेजने वाले ने इतनी हिम्मत दिखाई कि ऐसा ऑफर भी लिखकर भेजा। उन्होंने कहा, मैं हैरान रह गई, यार। लोग आमतौर पर सोचते हैं कि कोई सबूत नहीं होना चाहिए। वे फोन पर बातें करते हैं, ताकि कोई उनकी शिकायत न कर सके। लेकिन यहां तो टेक्स्ट में ही एक लाख रुपये और कॉम्प्रोमाइज की बात कही गई थी। बता दें कि मानवी गगरू चर्चित अभिनेत्री हैं। उन्होंने टीवीएफ पिचर्स, टीवीएफ ट्रिपलिंग और फोर मोर शॉट्स प्लीज जैसी सीरीज में काम किया है। इसके अलावा वे नो वन किल्ड जेसिका, पीके, तू है मेरा संडे और उजड़ा चमन जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े उठाएंगे मिलावटखोरी का मुद्दा

'द इंडिया स्टोरी' का पोस्टर रिलीज

काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े अगली फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म की पहली झलक सामने आ गई है, जिसके बाद से ही फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। 'द इंडिया स्टोरी' फिल्म खाने में मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है और एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा पेश करने वाली है। पोस्टर में श्रेयस तलपड़े एक बीमार छोटी बच्ची को गोद में उठाए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में बॉम्बे हाई कोर्ट दिखाया गया है। साथ ही एक कीटनाशक (पेस्टिसाइड) का सिलेंडर गवाह के बॉक्स में रखा हुआ नजर आता है, जो इस बात का इशारा करता है कि फिल्म में कानूनी लड़ाई अहम भूमिका निभाएगी।

यह पोस्टर साफ दिखाता है कि फिल्म खाने में मिलावट के खतरनाक असर को दिखाएगी और बताएगी कि

यह समस्या देश के लाखों परिवारों को कैसे प्रभावित करती है। फिल्म का मकसद लोगों को इस गंभीर मुद्दे के प्रति जागरूक करना है, जो अक्सर नजरअंदाज हो जाता है।

फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है और इसे सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है। फिल्म में भारत के एक बड़े लेकिन कम चर्चा में रहने वाले पब्लिक हेल्थ इश्यू को दिखाया जाएगा।

फिल्म के को-प्रोड्यूसर्स में स्वाति विनायक सैदाने, अनीता जाधव, विनायक सैदानी, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी शामिल हैं। वहीं फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भगवत, म्यूजिक कंपोजर मंगेश धाकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आजमी और साउंड डिजाइनर अनमोल भावे हैं।

'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दुनियाभर में रिलीज की जाएगी।

आमिर की अगली फिल्म बंटवारा का टीजर रिलीज

कुआमिर खान के बैनर तले बनी फिल्म बंटवारा 1947 के फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज होने के अगले ही दिन मेकर्स ने इसका टीजर रिलीज कर दिया। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होगी जिसमें सनी देओल, शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल और अली फजल समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

आमिर खान प्रोडक्शंस के इंस्टाग्राम अकाउंट से टीजर जारी किया गया है। बंटवारे की त्रासदी को दिखाते हुए बैकग्राउंड में आवाज चल रही है, हिंदुस्तान, जिसे बड़े संघर्ष और कुर्बानियों के बाद 200 साल की गुलामी से आजादी तो मिली, मगर अफसोस कि मुल्क का बंटवारा हो गया। मजहब के नाम पर इंसानियत

की हत्या हो रही थी। इसके बाद टीजर में बंटवारे के वक्त के उन दिल दहला देने वाले दृश्यों को दिखाने की कोशिश की गई है। बैकग्राउंड आवाज आमिर खान की है।

बंटवारे के वक्त के मार्मिक सीन हैं। हर तरफ खून-खराबा है। विभाजन के हाहाकार वाले मंजर के बीच सनी देओल की एंट्री होती है। इसी के साथ शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, करण देओल और अली फजल की झलक दिखाई गई है। ये सभी उन नायकों के रोल निभा रहे हैं, जो बंटवारे की उस बिखरी दुनिया में हिम्मत दिखा रहे थे और इंसानियत की मिसाल पेश कर पाए। टीजर में भगत सिंह, महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, जवाहर लाल नेहरू आदि के पोस्टर दिखाए गए हैं। बता दें कि बीते दिन मेकर्स ने फिल्म के किरदारों से पर्दा उठाया था। इस फिल्म में अभिनेत्री शबाना आजमी दुर्गावती देवी (माई) के रूप में नजर आई हैं। सनी देओल सिकंदर मिर्जा के रूप में हैं। प्रीति जिंटा को हमीदा बेगम और करण देओल को जावेद मिर्जा के रोल में देखा जाएगा। वहीं, अली फजल हबीब अनवर के रूप में नजर आएंगे। इस फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने तैयार किया है, जबकि गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म का निर्माण आमिर खान और अर्पणा पुरोहित ने किया है। वहीं, निर्देशन की कमान राजकुमार संतोषी ने संभाली है। बंटवारा 1947 इस साल 14 अगस्त से सिनेमाघरों में लगेगी।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है पेन अस्पताल

ये है भारत का इकलौता अस्पताल, जहां इंसान नहीं, होता है कलम का इलाज

अगर आपको लगता है कि अस्पताल सिर्फ इंसानों के लिए होते हैं तो आप गलत हैं। कोलकाता की व्यस्त चौरंगी रोड के पास एक तंग गली में ऐसा अनोखा अस्पताल है जहां मरीज इंसान नहीं, बल्कि कलमें होती हैं। इसे 'पेन हॉस्पिटल' के नाम से जाना जाता है। यह भारत का इकलौता ऐसा स्थान है जहां पुरानी, खराब और विंटेज पेनों का इलाज किया जाता है।

1946 में मोहम्मद समसुद्दीन द्वारा स्थापित यह दुकान आज तीसरी पीढ़ी में चल रही है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के वीडियो वायरल होने के बाद यह जगह देशभर में चर्चा का विषय बन गई है। लोग इसे देखकर हैरान हैं कि कलम भी अस्पताल में भर्ती हो सकती है।

यहां हर तरह की समस्याओं का समाधान मिलता है। टूटे निब, लीक होती स्याही, खराब स्प्रिंग, ब्लॉक हो चुके फीड और पुरानी विंटेज पेनों की पूरी रिस्टोरेशन। ग्राहक पुरानी पार्कर, मॉन्ट ब्लैंक, शेफर जैसी महंगी पेन लेकर आते हैं। कुछ पेन तो 50-60 साल पुरानी होती हैं। पेन हॉस्पिटल के 'डॉक्टर' इन्हें ना सिर्फ ठीक करते हैं बल्कि मूल स्वरूप में वापस लाते हैं। दुकान का माहौल भी अस्पताल जैसा है। शीशे

की अलमारियों में सैकड़ों तरह की कलमें, पार्ट्स और टूल्स रखे हैं। मालिक और उनके स्टाफ को लोग पेन डॉक्टर्स कहते हैं। वे बड़े धैर्य से हर पेन की जांच करते हैं और फिर इलाज शुरू करते हैं।

आज डिजिटल युग में भी फाउंटेन पेन से लिखने का अपना अलग आनंद है। कई लोग इन्हें कलेक्ट करते हैं। लेकिन पुरानी पेन खराब हो जाए तो सामान्य दुकानों में पार्ट्स या सर्विस नहीं मिलती है। ऐसे में पेन हॉस्पिटल एक वरदान बन जाता है। यहां सिर्फ कोलकाता के नहीं, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु बल्कि विदेशों से भी लोग अपनी पेन भेजकर ठीक करवाते हैं। वीडियो में दुकान के अंदर रखे पुराने पेनों का कलेक्शन देखकर लोग हैरान रह गए। दुकान के मालिक बताते हैं कि पेन लिखने का माध्यम ही नहीं, बल्कि भावनाओं और यादों का प्रतीक भी है। कई लोग अपनी पिता या दादा की पेन ठीक करवाकर भावुक हो जाते हैं।

लेखन प्रेमी और कलेक्टर्स का कहना है कि पेन हॉस्पिटल जैसी जगहें हमारी सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखती हैं। डिजिटल युग में भी हाथ से लिखने का महत्व कम नहीं हुआ है। कई स्कूल और यूनिवर्सिटी भी छात्रों को फाउंटेन पेन लिखने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। कोलकाता घूमने आए पर्यटक अब पेन हॉस्पिटल को भी अपनी लिस्ट में शामिल कर रहे हैं। यहां सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि पेनों का इतिहास और कहानियां भी सुनने को मिलती है।

हवाई जहाज आसमान में उड़ान भरते वक्त धुंआ क्यों छोड़ता है! नहीं पता होगा कारण

बच्चों के लिए आसमान में उड़ता प्लेन देखना बहुत ही रोमांच से भरा होता है। पहले बच्चे इससे दौड़ लगाने की कोशिश करते हैं, फिर इसके रह गयी सफेद लाइन्स को जो कई किलोमीटर दूर तक जाती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं ये सफेद लाइन्स कैसे बनती हैं? प्लेन से आसमान में जो सफेद लकीर बनाती है, उसे कॉन्ट्रेल कहा जाता है।

इसका पूरा नाम कंडेन्सेशन ट्रेल्स है। ये बर्फ के छोटे-छोटे कणों से बने बादलों जैसी लकीरें होती हैं। हवाई जहाज आमतौर पर 8,000 मीटर या उससे ज्यादा ऊंचाई पर उड़ते हैं। इतनी ऊंचाई पर तापमान बहुत कम होता है, कभी-कभी -50एष्ट से -70एष्ट तक। दूसरी तरफ, जहाज का इंजन बहुत गर्म होता है और उससे गर्म हवा और भाप निकलती है। जब इंजन से निकली गर्म भाप बेहद ठंडी हवा से मिलती है, तो वह तुरंत ठंडी होकर छोटे-छोटे बर्फ के कणों में बदल जाती है। यही बर्फ के कण मिलकर सफेद लकीर बनाते हैं, जो हमें आसमान में दिखाई देती है। अब सवाल है कि कुछ लकीरें जल्दी गायब क्यों हो जाती हैं, जबकि कुछ घंटों तक दिखाई देती हैं? इसका जवाब हवा में ही छिपा है। अगर ऊपर की हवा सूखी है, तो बर्फ के कण जल्दी पिघलकर या भाप बनकर गायब हो जाते हैं। लेकिन अगर हवा में नमी ज्यादा हो, तो ये कण लंबे समय तक बने रहते हैं और लकीर घंटों तक दिखाई दे सकती है। क्या ये पर्यावरण के लिए नुकसानदायक हैं? ये लकीरें मुख्य रूप से बर्फ के कणों से बनी होती हैं, लेकिन जब ये लंबे समय तक आसमान में रहती हैं, तो कुछ गर्मी को पृथ्वी के आसपास रोक सकती हैं। इस वजह से वातावरण थोड़ा गर्म हो सकता है। ज्यादा ऊंचाई पर उड़ने वाले विमानों के पीछे दिखाई देने वाली लकीरें बनने की संभावना ज्यादा होती है। कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विमान अक्सर ऐसी लकीरें नहीं बनाते क्योंकि वहां हवा गर्म होती है और बिना कंडेनसेशन के एग्जॉस्ट से निकलने वाली नमी को सोख सकती है। असल में, ऊंचाई ही यह तय करती है कि सफेद लकीर दिखाई देगी या नहीं।

कर्नाटक से लेकर झारखंड तक विप-रास चुनावों में उलटफेर

विप में कर्नाटक कांग्रेस का जलवा 8 में से 5 सीटों पर बाजी मारी

» क्रास वोटिंग से भाजपा-जेडीएस में एकजुटता की खुली कलई

» रांची के रास्ते रास जाने का कांग्रेस का सपना टूटा, एनडीए समर्थित प्रत्याशी जीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक व झारखंड की सियासत में एक बार फिर बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। जहां हाल ही में संपन्न हुए कर्नाटक विधान परिषद (विप) चुनाव 26 के नतीजों ने सत्तारूढ़ कांग्रेस खेमे में जहां जश्न का माहौल ला दिया है, वहीं दूसरी ओर विपक्षी भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) यानी जेडीएस गठबंधन के सामने कई असहज करने वाले सवाल खड़े कर दिए हैं। इस चुनाव में न सिर्फ कांग्रेस ने 8 में से 5 सीटों पर बाजी मारी है, बल्कि विपक्षी खेमे में हुई भारी क्रॉस-वोटिंग (क्रॉस-मतदान) ने भाजपा-जेडीएस गठबंधन की अंदरूनी एकजुटता की कलई खोलकर रख दी है।

वहीं झारखंड में कांग्रेस क्रास वोटिंग का शिकाश हो गयी वहां रास सभा में उसे हार का मुहं देखना पड़ा। जीत के लिए 140 वोटों की ज़रूरत थी। हालांकि, जब वोटों की गिनती हुई, तो पार्टी के उम्मीदवारों को कुल 151 पहली पसंद के वोट मिले। 11 वोटों की इस अप्रत्याशित बढ़त ने इस अटकल को हवा दी है कि चुनाव के दौरान भाजपा-जेडीएस के विधायकों ने पार्टी लाइन से हटकर वोट किया। चूंकि वोटिंग गुप्त मतदान के ज़रिए हुई थी, इसलिए दोनों पार्टियों को यह पता लगाने में समय लग सकता है कि किसने पार्टी के आधिकारिक रुख के खिलाफ वोट किया। भाजपा के भीतर

नेताओं का मानना है कि पार्टी से निकाले गए विधायकों स्त्र सोमशेखर और शिवराम हेब्बार के अलावा, कुछ और विधायकों ने भी कांग्रेस उम्मीदवरों का समर्थन किया होगा। वहीं, जेडीएस के भीतर क्रॉस-वोटिंग के पैमाने को लेकर मतभेद है। कांग्रेस उम्मीदवार विनय कार्तिक, टिप्पन्नाप्पा कामाकानूर, शिवन्ना, हरिप्रसाद और मोहन सभी विधान परिषद के लिए चुने गए। इन जीतों के साथ, कांग्रेस ने अब 75 सदस्यों वाली विधान परिषद में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, जिससे सत्ताधारी पार्टी के लिए सदन में महत्वपूर्ण कानून पास कराना आसान हो जाएगा।

झारखंड रास चुनाव में एनडीए समर्थित परिमल नाथवानी की जीत

झारखंड में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। उम्मीदवार परिमल नथवानी ने झारखंड से राज्यसभा चुनाव जीत लिया है और कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा को हार गए है। नतीजों के बाद, कांग्रेस नेताओं ने कुछ विधायकों द्वारा क्रांस-वोटिंग किए जाने की आशंका जताई है, क्योंकि पार्टी और उसके सहयोगियों से चुनाव में कड़ी टक्कर की उम्मीद थी। वहीं, झामुमो के उम्मीदवार बैद्यनाथ राम झारखंड से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए हैं। एनडीए समर्थित राज्यसभा चुनाव उम्मीदवार परिमल नथवानी की जीत पर बीजेपी विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि को एनडीए 28 वोट मिले, झामूमो को 30 और कांग्रेस को 19 वोट मिले। 3 वोट रद्द हो गए। परिमल नथवानी को 28 वोट मिले। विधायकों ने अपनी अंतरात्मा की आवाज़ सुनी और ऐसा होना ही था। झारखंड बीजेपी अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि आज झारखंड की जनता और यहां के सम्मानित विधायकों ने कांग्रेस पार्टी को नकार दिया है और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा को अपना लिया है। अगर कोई इस देश और राज्य का भला कर सकता है, तो वह नरेंद्र मोदी हैं। नरेंद्र मोदी के काम खुद बोलते हैं, उनका काम साफ़ दिखता है।

अपने गिरेबां में झांके कांग्रेस: तेजस्वी यादव

» झारखंड मे रास हार पर राजद ने दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। झारखंड में राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार प्रणव झा को हार का सामना करना पड़ा। अब इस पर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस में रार ठनती दिख रही है। इस बीच राजद के अधिकृत सोशल मीडिया हैंडल से कांग्रेस को चेताया गया है। साथ ही अपने गिरेबां में झांकने की सलाह दी दी गई है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर राजद के अधिकृत अकाउंट से लिखा गया- झारखंड प्रदेश के राज्यसभा चुनाव में परिणाम से स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस अपने ही सभी विधायकों का समर्थन हासिल करने में नाकाम रही।

दूसरे दलों पर बिना सोचे-समझे अनर्गल आरोप लगाने से पूर्व स्वयं में झांककर मंथन और चिंतन करना चाहिए कि विगत मार्च महीने में राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों में कांग्रेस के हरियाणा से 5, ओड़िशा से 2 और बिहार से 3 विधायकों ने बीजेपी के पक्ष में खुलकर क्रॉस वोटिंग की तथा जानबूझकर एब्सेंट रहे। लिखा गया कि यही नहीं उन विधायकों ने खुलकर कैमरा पर आकर कहा कि महागठबंधन का उम्मीदवार उनकी पसंद का नहीं था, उनके शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें कोई निर्देश नहीं दिया इत्यादि इत्यादि। सबूत के तौर पर वीडियो संलग्न है. अब तक उन विधायकों के खिलाफ क्या कोई कार्रवाई की गई? बिहार में वही लोग इनके शीर्ष प्रदेश नेतृत्व के साथ बैठकर अब प्रेस वार्ता भी करते फिरते है। राजद की ओर से लिखा गया है कि अब फिर झारखंड चुनाव में इनके नेता अपनी असफलता व नाकामी छिपाने तथा राजद एवं सीपीआई(एमएल) की बीजेपी विरोधी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाने का असफल प्रयास कर रहे हैं। ऐसे नेताओं की सतही, हल्की और अधीर टिप्पणी इंडिया गठबंधन की एकजुटता को नुकसान पहुंचाती है।

सुसाईड करने वाले छात्रों के परिजनों को मिले मुआवजा : अभिजीत

» कॉकरोच जनता पार्टी ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक विवाद के बीच अब सुसाइड मामलों को लेकर राजनीतिक और सामाजिक दबाव बढ़ता जा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से बड़ी मांग की है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक ओपन लेटर लिखकर उन परिवारों के लिए 1 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की है, जिनके बच्चों ने कथित तौर पर नीट पेपर लीक विवाद और बढ़ते मानसिक दबाव के कारण आत्महत्या की। अभिजीत दीपके का दावा है कि पिछले एक सप्ताह में 11 नीट उम्मीदवारों ने सुसाइड किया है।

उन्होंने कहा कि इनमें से 5 छात्रों ने पिछले 48 घंटों के भीतर आत्महत्या की। अपने पत्र में दीपके ने लिखा कि नीट पेपर लीक ने लाखों छात्रों और उनके परिवारों को गहरे तनाव में डाल दिया है। उनका कहना है कि परीक्षा प्रणाली पर भरोसा कमजोर हुआ है और कई छात्र मानसिक दबाव झेल रहे हैं। अभिजीत दीपके ने सरकार से मांग की कि जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उन्हें आर्थिक सहायता दी जाए। सीजेपी की मांग है कि हर प्रभावित परिवार को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए, हालांकि, अभी तक केंद्र सरकार की ओर से इस मांग पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। साथ ही, इन सुसाइड मामलों और उनके सीधे नीट पेपर लीक से जुड़े होने को लेकर स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि भी सामने नहीं आई है, नीट पेपर लीक मामला पहले से ही देशभर में बड़ा मुद्दा बना हुआ है। छात्र, अभिभावक और कई संगठन परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं, अब सुसाइड मामलों के सामने आने से यह मुद्दा और गंभीर हो गया है।

मिनीफुटबॉल चैंपियनशिप में लखनऊ को दोहरे खिताब

» नेशनल मिनीफुटबाल प्रतियोगिता में भाग लेंगी सफल टीमें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मिनी स्टेडियम राजाजीपुरम लखनऊ में दो दिवसीय स्टेट मिनीफुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन मिनीफुटबॉल एसोसिएशन लखनऊ द्वारा यूपी मिनीफुटबॉल एसोसिएशन के बैनर तले कराया गया। फाइनल मुकाबलों में अंडर 14 वर्ग में लखनऊ ने बाराबंकी को 3-0 से, अंडर 17 में लखनऊ ने गाजियाबाद को रोमांचक मुकाबल में 3-2 से तथा अंडर 19 में गाजियाबाद ने लखनऊ को 3-1 से हराकर जीत दर्ज की।

प्रतियोगिता के बेस्ट स्कोरर आदित्य(लखनऊ), बेस्ट प्लेयर अर्जुन(गाजियाबाद) तथा बेस्ट गोल कीपर श्रेयश(लखनऊ) रहे। इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि यू पी मिनीफुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव असलम वारसी तथा विशेष अतिथि टीबीसीएएल की उपाध्यक्ष श्रीमती रेनू मनचन्दा थी। विजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से 28 से 30 जून 26 के बीच गोवा में होने वाली नेशनल मिनीफुटबाल प्रतियोगिता के लिए यूपी की टीम का भी चयन किया गया है।

16 टीमों ने दिखाया दम : मुशाहिद खान

इसकी जानकारी देते हुए यूपी मिनीफुटबॉल एसोसिएशन के संयोजक मुशाहिद खान ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदेश के जिलों की लगभग 16 टीमों ने विभिन्न वर्गों में हिस्सा लिया जिसमें गाजियाबाद, खनऊ,बाराबंकी,हरदोई, राय बरेली,कानपुर, रामपुर आदि प्रमुख हैं। यह प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट पर खेली गई जिसमें पहले दिन में लीग मैच हुए उसमें अंडर 14 वर्ग में लखनऊ, गाजियाबाद, बाराबंकी और रायबरेली ने सेमी फाइनल में जगह बनाई।

अफगान का क्लीन स्वीप करने के इरादे से उतरेगा भारत

» सीरीज का अंतिम वनडे मैच कल, हर्षित राणा कर सकते हैं टीम में वापसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला कल यानी शनिवार को चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। शुभमन गिल की अगवाई वाली भारतीय टीम भले ही पहले दो वनडे मैच जीत कर 2-0 की अजेय बढ़त ले चुकी है फिर भी भारतीय टीम तीसरा और अंतिम मैच जीत कर अफगानिस्तान का इस वनडे सीरीज में क्लीन स्वीप करना चाहेगी। वहीं अफगानिस्तान की टीम इस अंतिम मैच को जीत कर अपना सम्मान बचाना चाहेगी। वहीं भारत बनाम अफगानिस्तान मैच में शहर में बारिश की संभावना जताई गई है।

वहीं भारतीय टीम को तीसरे मुकाबले से पहले अच्छी खबर मिली है। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा पूरी तरह फिट होकर टीम से जुड़ गए हैं और शनिवार को चेन्नई में खेले जाने वाले अंतिम वनडे के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। राणा ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना पुनर्वास पूरा कर लिया है और अब राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं। 24 वर्षीय हर्षित राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्वकप के अभ्यास मैच के दौरान दाएं घुटने में लिगामेंट स्ट्रेन हुआ था। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें फरवरी में सर्जरी करानी पड़ी। इस चोट के कारण राणा टी20 विश्व कप 2026 और आईपीएल 2026 दोनों से बाहर हो गए थे। ऐसे में उनकी वापसी भारतीय टीम के लिए राहत की खबर है।

भारत को लगा झटका, श्रेयंका पाटिल चोट की वजह विश्वकप से बाहर

लीड्स। भारतीय महिला टीम को महिला टी20 विश्व कप 2026 के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम की ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह युवा लेग स्पिनर प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। दरअसल, बुधवार को नीदरलैंड्स के खिलाफ ग्रूप-ए मुकाबले के दौरान श्रेयंका पाटिल को फील्डिंग करते समय टखने (एंकल) में गंभीर चोट लग गई। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें मैदान से स्ट्रेचर पर बाहर ले जाना पड़ा। इसके बाद मेडिकल जांच में यह स्पष्ट हो गया कि वह टूर्नामेंट के बाकी मुकाबलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। महिला टी20 विश्वकप की इवेंट टेक्निकल कमेटी ने श्रेयंका पाटिल के स्थान पर प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। 24 वर्षीय प्रेमा रावत इस समय भारत-ए टीम के इंग्लैंड दौरे का हिस्सा थीं। अब उन्हें सीधे भारतीय महिला टी20 विश्वकप टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, प्रेमा ने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है।

टेलीग्राम को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका

» 22 जून तक लगा रहेगा बैन, याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टेलीग्राम ऐप पर अस्थाई रूप से लगी रोक के खिलाफ ऐप की याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। नीट यूजी री-एग्जाम से पहले टेलीग्राम ऐप प्लेटफॉर्म पर 22 जून तक अस्थाई बैन लगाने के केंद्र सरकार के फैसले को टेलीग्राम ने दिल्ली हाईकोर्ट ने चुनौती दी थी, जिसे हाईकोर्ट ने शुक्रवार (19 जून, 26) को खारिज कर दिया। यह फैसला जस्टिस तेजस कारिया की सिंगल बेंच ने सुनाया है।

कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि सरकार के फैसले को असंगत नहीं कह सकते हैं। जस्टिस तेजस करिया ने आईटी एक्ट की धारा 69० के तहत जारी आदेश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए, 22 जून तक टेलीग्राम को ब्लॉक करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखा है। जस्टिस तेजस करिया का मानना है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, सरकार की ओर से दिए गए कारण पर्याप्त थे और आईटी एक्ट की धारा 69० के तहत प्रक्रिया का सही ढंग से पालन किया गया था। कोर्ट का कहना है कि ब्लॉक करने और समीक्षा करने के आदेश ठोस आधार पर और कारणों के साथ दिए गए हैं और इनमें सोच-समझकर निर्णय न लेने जैसी कोई कमी नहीं है। कोर्ट ने टेलीग्राम के इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि यह प्लेटफॉर्म खुद आईटी एक्ट के तहत जानकारी के दायरे में नहीं आता है।

पिछले महीने नीट यूजी का एग्जाम 3 मई को हुआ था, लेकिन बाद में पेपर लीक का मामला सामने आया। इस पर देशभर में हंगामा भी देखने को मिला नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भी जनता के गुस्से का सामना करना पड़ा। इसके बाद सरकार ने 3 मई की परीक्षा रद्द कर दी। अब 22 जून को फिर से एग्जाम होगा, ऐसे में सरकार हर तरह से एहतियात बरत रही है ताकि फिर से ऐसी कोई घटना न हो। इसी के चलते सरकार ने खतरे की संभावना को देखते हुए टेलीग्राम पर 22 जून तक के लिए अस्थाई बैन लगा दिया है।

नीट यूजी री-एग्जाम 1600 छात्रों की याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर

नई दिल्ली। नीट री-एग्जाम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कुछ छात्रों की एक अलग याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। छात्रों का कहना है कि वे एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं कर पा रहे हैं और वेबसाइट ठीक से काम नहीं कर रही है। सीजेआई सूर्यकांत ने याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार किया। कोर्ट ने कहा कि इन सब चीजों के लिए न्यायिक मंच का इस्तेमाल हो रहा है। सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि नीट मामलों की सुनवाई एक अलग बेंच कर रही है और वे ही इस पर सुनवाई करेंगे जब वे बैठेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नीट पेपर से जुड़े सभी मामले पहले से ही जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने लिस्टेड हैं। नीट उम्मीदवारों की ओर से पेश वकील ने सीजेआई सूर्यकांत के सामने यह मामला उठाया। छात्रों की मांग थी कि इस मामले को तुरंत सुना जाए, इस पर सीजेआई ने कहा कि नीट से जुड़े सभी मामले जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच के सामने जाएंगे। इसमें कोई जल्दबाजी नहीं है।

एसआई भर्ती में बंद हो इंटरव्यू : पायलट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं और पेपर लीक के मुद्दे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने एक बार फिर युवाओं की आवाज बुलंद की है। कोटा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के विद्यार्थियों के साथ हुए संवाद के बाद पायलट ने शिक्षा व्यवस्था, भर्ती प्रक्रियाओं और रोजगार से जुड़े सवालों पर सरकार से जवाबदेह और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

सचिन पायलट ने कहा कि कोटा में राहुल गांधी ने हजारों विद्यार्थियों के बीच शिक्षा और रोजगार से जुड़े जिन मुद्दों को उठाया, वे देशभर के युवाओं की वास्तविक चिंताओं को सामने लाते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब विद्यार्थी वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा देते हैं और फिर पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, मूल्यांकन में गड़बड़ी या अन्य अनियमितताओं का सामना करते हैं, तो उनके मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होना स्वाभाविक है। सचिन पायलट ने सब-इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती परीक्षा का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के लगभग 14 से 15 राज्यों में एसआई भर्ती से इंटरव्यू की व्यवस्था समाप्त की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में जितने कम इंटरव्यू होंगे, अनियमितताओं और हस्तक्षेप की संभावनाएं भी उतनी ही कम होंगी। पायलट ने सवाल उठाया कि जब कई राज्यों में मेरिट आधारित चयन प्रणाली सफलतापूर्वक लागू है, तो राजस्थान में अब तक इंटरव्यू व्यवस्था क्यों जारी है।

यूएस-ईरान शांति वार्ता को झटका वेंस का स्विट्जरलैंड दौरा हुआ रद्द

» इजरायल के हमले में लेबनान में 16 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच अभी दो दिन पहले ही जिस ऐतिहासिक शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे, वह शुरू होने से पहले ही पूरी तरह खतरे में पड़ता नजर आ रहा है। एक तरफ जहां इजरायल ने दक्षिणी लेबनान में रातभर भीषण बमबारी की है, जिसमें कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है।

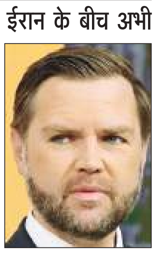

वहीं दूसरी तरफ, स्विट्जरलैंड में होने वाली अमेरिका-ईरान की बेहद महत्वपूर्ण शांति वार्ता को टाल दिया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मौजूदगी में बुधवार को ही वर्साय के महल (फ्रांस) में अमेरिका और ईरान के बीच एक शुरुआती शांति समझौता हुआ था। इसका मकसद पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध को रोकना था। इस समझौते में साफ कहा गया था कि लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई तुरंत रोकी जाएगी। लेकिन इस समझौते के तुरंत बाद इजरायली सेना ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले शुरू कर दिए। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पीछे हटने से साफ इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि जब तक हिजबुल्लाह का खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हो जाता, इजरायली सेना लेबनान में ही रहेगी। बता दें कि इस 14-सूत्रीय शुरुआती समझौते को एक स्थायी शांति का रूप देने के लिए शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में दोनों देशों के बीच तकनीकी बातचीत होनी थी। लेकिन यह बैठक रद्द हो गई है। कारण है कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस जो इस बातचीत की अगुवाई करने वाले थे, उन्होंने अपना स्विट्जरलैंड का दौरा टाल दिया है।

नेकां के सांसद केंद्र की राजग की सरकार का समर्थन नहीं करेंगे : उमर

» जम्मू-कमश्मी के सीएम ने विपक्षी सांसदों के पाला बदलने पर जताई चिंता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के सांसद केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार का समर्थन नहीं करेंगे। हम आपको बता दें कि लोकसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस के दो और राज्यसभा में तीन सदस्य हैं।

तृणमूल कांग्रेस के 22 और शिवसेना यूबीटी के छह सांसदों द्वारा केंद्र सरकार का समर्थन किए जाने की खबरों पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने कहा कि वे ऐसा क्यों कर रहे हैं, इस पर वह कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। उमर अब्दुल्ला ने बांदीपुरा में पत्रकारों से बातचीत में कहा, इस सवाल का जवाब न तो मैं दे सकता हूं और न ही आप।

अब्दुल्ला ने बांदीपुरा में पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैं कैसे कह सकता हूं कि द्रमुक या शिवसेना के सांसद क्या करेंगे? यह उन पर निर्भर करता है। यह उनकी अंतरात्मा पर निर्भर करता है। उनकी अंतरात्मा उन्हें जहां तक ले जाएगी, वे वहां तक जाएंगे। अब्दुल्ला ने कहा, जहां तक नेकां के सांसदों का सवाल है, हम भाजपा के नेतृत्व वाली राजग सरकार का कभी समर्थन नहीं करेंगे। हम आपको यह भी बता दें कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज गांदरबल स्थित खीर भवानी मंदिर में पूजा-अर्चना की। बाद में मीडिया से बातचीत में उमर अब्दुल्ला ने कहा, 22 जून को खीर भवानी मेले का शुभ अवसर है। दुनिया भर से लोग देवी के दर्शन करने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए यहां इकट्ठा होंगे। यहां का विधायक होने के नाते, मैं यह देखने आया हूं कि व्यवस्थाएं कैसी हैं, क्या तैयारियां की जा रही हैं और क्या काम बाकी है। यहां के पुजारियों से बात करने के बाद मुझे पता चला है कि 2-3 चीजों की जरूरत है। हम 22 जून से पहले इन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे।

राहुल गांधी मना रहे 56वां जन्मदिन, पूरे देश में कांग्रेस ने मनाया जश्न

» नेता प्रतिपक्ष को मोदी व खरगे ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नेताओ ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को 56 वर्ष के हो गए। उनके जन्मदिन के मौके पर देशभर से राजनीतिक नेताओं, समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से उन्हें बधाइयां दी जा रही हैं।

लोस में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाए : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में लिखा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाए मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी आयु की प्रार्थना करता हूं।

राहुल में समावेशी सोच, सामाजिक न्याय सद्भाव और करुणा भरी पड़ी : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि संविधान के आदर्शों के प्रति राहुल गांधी की अटूट निष्ठा और आम लोगों की आवाज उठाने का उनका साहस लाखों लोगों को प्रेरित करता है, खरगे ने कहा कि कांग्रेस की समावेशी सोच, सामाजिक न्याय, सद्भाव और करुणा जैसे मूल्यों की झलक राहुल गांधी के सार्वजनिक जीवन और नेतृत्व में साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने हमेशा आम लोगों, गरीबों और समाज के कमजोर वर्गों के हितों की आवाज उठाई है और सत्ता के सामने सच बोलने का साहस दिखाया है। खरगे ने राहुल गांधी के अच्छे स्वास्थ्य, खुशी, शक्ति और देश सेवा के लिए लंबी उम्र की कामना की।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर डाली कांग्रेस नेता पर पोस्ट

कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनकी नेतृत्व क्षमता और सामाजिक मुद्दों पर उनकी आवाज की सराहना की है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि आज के दौर में, जब कई लोग अपनी बात कहने से बचते हैं, राहुल गांधी हमेशा उन मुद्दों पर खुलकर बोलते हैं जिन्हें वह सही मानते हैं, पार्टी ने कहा कि अन्याय, असमानता और सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ उनकी लगातार लड़ाई ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। कांग्रेस ने अपने संदेश में कहा कि राहुल गांधी लोगों को यह भरोसा दिलाते हैं कि राजनीति केवल सत्ता हासिल करने का माध्यम नहीं है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का एक मजबूत जरिया भी हो सकती है. पार्टी के मुताबिक, राहुल गांधी उस राजनीति का प्रतिनिधित्व करते हैं जो सिद्धांतों, संवेदनशीलता और करुणा पर आधारित है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि ईमानदारी, सहानुभूति और उम्मीद की तलाश कर रही युवा पीढ़ी, खासकर जेन-ज़ी , राहुल गांधी में अपनी आवाज देखती है. पार्टी के अनुसार राहुल गांधी ऐसे नेता हैं जो युवाओं की बात सुनते हैं, उन्हें समझते हैं और उनकी आकांक्षाओं को मजबूती से उठाते हैं। पोस्ट में कांग्रेस ने राहुल गांधी के लिए अच्छे स्वास्थ्य, शक्ति और खुशियों की कामना करते हुए कहा कि वे एक अधिक न्यायपूर्ण, संवेदनशील और बेहतर भारत के लिए लगातार काम करते रहें।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा